

---

# Vishvarupa Sarasvatikritam Krishnanarayana Stotram

---

विश्वरुपा सरस्वतीकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रम्

---

## Document Information

---

Text title : Vishvarupa Sarasvatikritam Krishnanarayana Stotram

File name : vishvarUpAsarasvatIkRRitaMkRRiShNanArAyaNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, lakShmInArAyaNIyasaMhitA, sarasvatI, stotra, krishna

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : lakShmInArAyaNIyasaMhitA | khaNDa 4 | adhyAya 45/31-40||

Latest update : May 15, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 15, 2026

*sanskritdocuments.org*

---

विश्वरूपा सरस्वतीकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रम्



तावत्तत्र समायाता दिव्या गौः श्वेतलोहिता ।

यतुःशुङ्गी यतुर्वक्त्रा यतुष्पादा यतुर्भुम्भी ॥ ३१ ॥

यतुर्लस्ता यतुर्नेत्रा यतुर्दंष्ट्रा यतुःस्तनी ।

ननाम पादयोस्तूर्णा व्योम्ना यागत्य वै पुरः ॥ ३२ ॥

कृष्णनारायणपादतले लिलेह जिह्वा ।

हरिर्वारि ददौ तस्यै जिह्वायां सा पपौ द्रुतम् ॥ ३३ ॥

कुमारी साऽभवत्तत्र विश्वरूपा सरस्वती ।

तुष्टाव परमात्मानं श्रीपतिवल्बं निजम् ॥ ३४ ॥

नमोऽनादिकृष्णकान्त रमाकान्त य ते नमः ।

नमः श्रीमाण्डिकीकान्त लक्ष्मीकान्त य ते नमः ॥ ३५ ॥

नमः सरस्वतीकान्त राधाकान्त य ते नमः ।

सुभ्रदाश्रीकान्त पद्मावतीकान्त य ते नमः ॥ ३६ ॥

अहं शक्तिर्भवान् शक्तः कृष्णाऽहं कृष्ण ते नमः ।

अहं भगवती भार्या भगवोऽस्त्वं पतिः प्रभुः ॥ ३७ ॥

तपस्तप्तं समायाता गोलोकात्तु तवाऽऽज्ञया ।

पावनीं मां समाज्ञाप्य स्थापयाऽत्र सरस्वते ॥ ३८ ॥

तीर्थं त्वत्र हरे कृष्ण भन्नाम्नाऽपि विधेहि य ।

तथाऽस्त्विति हरिः प्राह अद्रिक्ते तां सरस्वतीम् ॥ ३९ ॥

अस्थापयत् सरस्तीरे मडाधेनुं सरस्वतीम् ।

नारायणसरस्तीरे तीर्थं सारस्वतं शुभम् ॥ ४० ॥

एति श्रीलक्ष्मीनारायणीयसंछितायाः तिष्यसन्तानात्मकस्य


विश्वरूपा सरस्वतीकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।


लक्ष्मीनारायणीयसंहिता । अङ्क ४ । अध्याय ४५/३१-४० ॥

lakShmInArAyaNIyasaMhitA . khaNDa 4. adhyAya 45/31-40..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Vishvarupa Sarasvatikritam Krishnanarayana Stotram*  
pdf was typeset on May 15, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

